शोध मंथन Vol. XII No.IV Oct.-Dec. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

कोविड – 19ः एक अध्ययन (उच्च शिक्षित वर्ग के सम्बन्ध में)

प्राप्तिः 01.11.2021
स्वीकृतः 26.12..2021

डॉ० ललिता
असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय, बी०बी० नगर, बुलन्दशहर
ईमेलः *drlalitasaroha@gmail.com*

सारांश

कोरोनावायरस (Coronavirus) कई प्रकार के विषाणुओं (वायरस) का एक समूह है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। यह आरएनए वायरस होते हैं। इनके कारण मानवों मे श्वास तंत्र संक्रमण पैदा हो सकता है जिसकी गहनता हल्की (जैसे सर्दी–जुकाम) से लेकर अति गम्भीर (जैसे मृत्यु) तक हो सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुद्धवार 9 दिसम्बर 2020 को साझा किये गये आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले 24 घंटों में 32,080 नये कोरोना वायरस के मामलों की सूचना दी है जो 97,35,850 तक पहुँच गयी है। देश में कुल नये सक्रिय कोरोना वायरस मामले अब 3,78,909 हैं। कुल 36,635 ताजा रिकवरी ने राष्ट्रीय रिकवरी दर को 94.66 प्रतिशत तक पहुँचा दिया है। विश्व स्तर पर 8 दिसम्बर 5.13 बजे 2020 तक डब्ल्यू एच ओ की रिपोर्ट के अनुसार 67,210,778 मामलों की पुष्टि हुई है जबकि आज तक 1,540,77 मौते कोविड–19 के कारण हुई है। प्रस्तुत शोध के विश्लेषण से पता चलता है कि उच्च शिक्षित उत्तरदाताओं में जिनमें से 15.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को काविड–19 सम्बन्धी जानकारी का अभाव है। ये एक संक्रामक बीमारी होने के कारण कुछ लोगों में अज्ञानता या जागरूकता की कमी के कारण यह रोग एक व्यक्ति से दूसरे में संक्रमित हो रहा है। भारत भी भारत वायोटैक व भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद व नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ वायरोलोजी के सहयोग से Covaxin को विकसित किया जा रहा है। जो अब तीसरे चरण के परीक्षणों के दौर से गुजर रहा है। जिसके 2021 के शुरूआती महीने में ही आने की सम्भावना है ताकि लोगों को वैकसीन लगायी जा सके।

मुख्य बिन्दु

विषाणु डब्ल्यू एच ओ चिकित्सा अनुसंधान परीक्षण वैकसीन वायरोलोजी संक्रमण

प्रस्तावना

कोरोनावायरस

लातीनी भाषा में ''कोरोना'' का अर्थ ''मुकुट'' होता है और इस वायरस के कणों के इर्द–गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढॉ चों स इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया था।

सार्स–काव 2 (नोवल कोरोनावायरस)

यह वायरस भी जानवरों से आया है। ज्यादतर लोग जो चीन के वुहान शहर के केंद्र में स्थित हुआनन सीफूड होलस`ल मार्केट में खरीदारी के लिए आते हैं या फिर अक्सर काम करने वाले

लोग जो जीवित या नव वध किए गए जानवरों को बेचते थे जो इस वायरस से संक्रमित थे। चूँ कि यह वुहान, चीन से शुरू हुआ, इसलिये इसे वुहान कोरोनावायरस के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने इसका नाम सार्स–कोव 2 (SARS-COV 2) रखा है।[1]

क्या है COVID-19 ?

हाल में खोजे गए कोरोना वायरस से संक्रमित बीमारी का नाम COVID-19 है। डब्ल्यूएच ओ के मुताबिक, CO का मतलब (Corona) कोरोना, VI का मतलब (Virus) वाइरस, D का मतलब (Disease) बीमारी और 19 का मतलब (2019) वर्ष से है, जिस साल में इस बीमारी की खोज हुई। ध्यान रहे कि सबसे पहले दिसम्बर 2019 में चीन के वुहान शहर से कोरोना वायरस के संक्रमण से लोग के बीमार होने की रिपोर्टें आनी शुरू हुई थी। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस डिसीज का संक्षेप में कोविड–19 (COVID-19) नाम दिया है।[2]

कोविड 19 के लक्षण

कोरोना वायरस आपके फेफड़ों को संक्रमित करता है, इसके दो मूल लक्षण होते हैं बुखार और सूखी खांसी, कई बार इसके कारण व्यक्ति को सांस लेने में भी दिक्कत पेश आती है।

इस वायरस के कारण शरीर का तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है जिस कारण व्यक्ति का शरीर गर्म हो सकता है और उसे ठंडी महसूस हो सकती है, व्यक्ति के शरीर मे कंपकंपी भी महसूस हो सकती है। इसके कारण गले में खराश, सिर दर्द और डायरिया भी हो सकता है, हाल में आए एक ताजा शोध के अनुसार कुछ खाने पर स्वाद महसूस न होना और किसी चीज की गंध का महसूस न होना भी कोरोना वायरस का लक्षण हो सकता है।

माना जा रहा है कोरोना वायरस के लक्षण दिखना शुरू होने में औसतन पांच दिन का वक्त लग सकता है लेकिन कुछ लोगों में ये वक्त कम भी हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार वायरस के शरीर में पहुंचने और लक्षण दिखने के बीच 14 दिन तक का समय हो सकता है।[5]

कोरोना वायरस

कब होती है अस्पताल मे ं भर्ती होने की जरूरत?

जिन लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण है उनमें से अधिकतर लोग आराम करने और पैरासिटामॉल जैसी दर्द कम करने की दवा लेने से ठीक हो सकते हैं।

अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत तब होती है जब व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत आनी शुरू हो जाए, मरीज के फेफड़ों की जांच कर डॉक्टर इस बात का पता लगाते हैं कि संक्रमण कितना बढ़ा है और क्या मरीज को ऑक्सीजन या वेंटिलेटर की जरूरत है।

लेकिन इसमें मरीज को अस्पताल के आपात विभाग यानी एक्सीडंट ऐंड इमर्जेंसीं में भर्ती हा`ने की जरूरत नहीं होती।[6]

1. कोरोना संक्रमित व्यक्ति के पास आने से बीमारी लग सकती है –

अगर आप किसी ग्रॉसरी स्टोर में जाते हैं जिसके मालिक को कोरोना का संक्रमण हो चुका है, इस स्थिति में आपको भी कोरोना का संक्रमण हो सकता है, विशेषज्ञ कहते हैं कि कोरोना का संक्रमण उसके द्वारा दिए गए पैसे रखने या आपके द्वारा दिए गए कार्ड को स्वैप करने के बाद लौटाने की वजह से भी हो सकता है।

2 यदि आप संक्रमित व्यक्ति के पास कितनी देर रहे ? आप उसके कितने पास गए ? क्या उस व्यक्ति के छींकने या खांसने की वजह से आपको छींटे पड़े ? आपने अपने चेहरे को कितनी बार छुआ ? आपके उम्र और स्वास्थ्य की वजह से भी कोरोना के संक्रमण का असर पड़ता है।[7]

कोरोना वायरस छींकने या खांसने से होता है।

अगर कोरोना से संक्रमित कोई व्यक्ति खांसता या छींकता है तो उस प्रक्रिया में उसके मुंह या नाक से कुछ बूंदें गिरती हैं, इनसे कोरोना का संक्रमण हो सकता है, एक प्रोफेसर ने कहा कि कोरोना का वायरस इन बूंदों की मदद से दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकता है।[8] स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुद्धवार 9 दिसम्बर 2020 को साझा किये गये आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले 24 घंटों में 32,080 नये कोरोना वायरस के मामलों की सूचना दी है जो 97,35,850 तक पहुॅच गयी है। देश में कुल नये सक्रिय कोरोना वायरस मामले अब 3,78,909 हैं। कुल 36,635 ताजा रिकवरी ने राष्ट्रीय रिकवरी दर को 94.66 प्रतिशत तक पहुॅचा दिया है।[9] विश्व स्तर पर 8 दिसम्बर 5.13 बजे 2020 तक डब्ल्यू एच ओ की रिपोर्ट के अनुसार 67,210,778 मामलों की पुष्टि हुई है जबकि आज तक 1,540,77 मौते कोविड–19 के कारण हुई है।[10]

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने हेतु उपाय

• खाने में रोज संतुलित भोजन ले जिसमें प्रोटीन्स, खनिज तथा विटामिन्स प्रचुर मात्रा में हों।

• खाद्य पदार्थों का खरीददारी रख रखाव और साफ सफाई के बारे में विशेष सावधानियां बरतें। फल और सब्जियों को पहले साफ पानी से धोयें तथा खाने से पहले अच्छे से छील लेना चाहिए।

• सब्जी फलों का` काटन` से पहले 40 सेकेण्ड तक अपने हाथ साबुन व पानी से धोयें।

• खाना पकाते, परोसते व भण्डारण करते समय चेहरे का मुंह व नाक वाला हिस्सा ढका होना चाहिए।

• ताजा भोजन ग्रहण करें।

• रोजाना 30 मिनट तक योगाभ्यास करें।

• गर्म पानी पीयें व गुनगुने पानी में स्नान करें।

• 10 ग्राम च्यवनप्राश का सुबह सेवन करें।

• तुलसी, दाल चीनी, काली मिर्च, सौंठ एवं मुनक्का से बना काढा दिन मे 2 बार पियें।

• 150 मिली गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी डालकर दिन में दो बार पीयें।

• सुबह एवं शाम तिल/नारियल का तेल या घी नाक के दोनो छिद्रों में लगायें।

• 1 चम्मच तिल या नारियल का तेल को लेकर दो से तीन मिनट तक कुल्ले की तरह मुंह में घुमायें। उसके बाद गरम पानी से कुल्ला कर लें ऐसा दिन में 1 से 2 बार करें।[12]

साहित्य समीक्षा

करोना वायरस से संभावित खतरों का सारांश प्रस्तुत करती किताब ''डेडलिएस्स एनिमी'' अवर वार एगेन्स्ट किलर जर्मस'' है यह पुस्तक अनुभवी महामारी विशेषज्ञों द्वारा लिखी गयी है। यह इस महामारी के रोकथाम व उन्मूलन के विषय में बताती है। इस पुस्तक के अध्याय 13 में लेखक ने करोना महामारी की भविष्यवाणी की है लेकिन उसके प्रमाण नहीं दिये है।[20] ''द कोरोना वायरस : वैश्विक महामारी के बारे में आपको जानना चाहिए'' नामक पुस्तक कोविड 19 के इतिहास, उद्भव तथ्यों व मिथकों के बारे में बताती है चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध करायी गयी

है जो हमें यह समझने में मद्द करती है कि कोरोना वायरस क्या है ? हम खुद को इससे कैसे बचा सकते हैं ? हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं ? इस पुस्तक में मिथकों को दूर किया गया है।[21]

इस शोध पत्र को लिखने में इन किताबो ं के साथ–साथ बहुत सारी वेबसाईटों का भी अध्ययन किया गया है जिनमें विश्व स्वास्थ्य संगठन व यूनिसेफ की वेबसाईटों से काफी सहायता ली गयी है।

अध्ययन के उद्देष्य

गुगल फार्मस् के माध्यम से तैयार प्रश्नावली के दो भाग थे पहले हिस्से में उत्तरदाता का नाम, आयु, ई–मेल, आई डी, शैक्षिक स्तर तथा लिंग के बारे में पूछा गया। प्रश्नावली के दूसरे भाग में 15 प्रश्नों जिनमें वर्तमान में फैली वैश्विक महामारी के बारे में जानकारी, इससे बचाव की गिरफ्त में आने के बाद किये जाने वाली उपायों व सावधानियॉ के विषय में जागरूकता का स्तर पता लगाना। प्रश्नावली तैयार करने में दीक्षा एप पर कोविड–19 की बेसिक ट्रेनिंग जो कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, यूनिसेफ व विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रदान जानकारी के आधार पर तैयार की गयी।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध प्राथमिक व द्वितीय आंकडो पर आधारित है प्राथमिक आंकड़े एकत्र करने के लिये शोधार्थी ने गुगल फार्मस् पर 15 बहुविकल्पीय प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार की गयी। इस प्रश्नावली का गुगल फार्मस् का लिंक सोशल मीडिया के व्हाटस्एप प्लेटफार्म के माध्यम से मित्रों एवं छात्रों के ग्रुपों में भेजा गया। इस प्रश्नावली का उत्तर देने के लिये 5 दिनों का समय दिया गया। 5 दिनों में 1684 उत्तरदाताओं ने ई–मेल के माध्यम से प्रश्नावली के प्रश्नों का उत्तर दिया जिसमें से 12 लोगों की प्रश्नावली अपूरित थी इसलिये 1672 उत्तरदाताओं द्वारा पूर्ण रूप से पूरित प्रश्नावलियों का सारणीयन एवं विश्लेषण किया गया।

विष्लेषण

तालिका संख्या–1

उत्तरदाताओं का लैंगिक विवरण–

विकल्प	संख्या	प्रतिशत
पुरूष	720	43.06
महिला	952	56.94
योग	1672	100

तालिका संख्या–2

उत्तरदाताओं का शैक्षणिक स्तर –

विकल्प	संख्या	प्रतिशत
स्नातक	1201	71.83
स्नातकोत्तर	358	21.41
पी.एच.डी.	113	6.76
योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या–3

नोवल कोरोना वायरस क्या है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	एक नयी बीमारी है।	155	9.3
2	एक नये स्ट्रेन वाला कोरोना वायरस	1447	86.5
3	एक 10 साल से पहले से पाया जाने वाला वायरस	21	1.3
4	जुकाम के कारण होने वाला बुखार व जोडों का दर्द	49	2.9
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 3 दर्शाता है कि कुल 1672 उत्तरदाताओं में से 1447 उत्तरदाताओं ने सही जवाब दिया जोकि कुल का 86.5 प्रतिशत है जबकि 225 ला`गों ने गलत जवाब दिया है जोकि कुल के 13.5 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि 13.5 प्रतिशत लोग कोरोना वायरस के विषय मे जानकारी नहीं है।

तालिका संख्या–4

कोरोना वायरस का नाम किस कारण पडा था ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	वायरस के मुकुट (Crown) जैसी संरचना के कारण	1167	69.7
2	चीन से आने के कारण	248	14.9
3	पत्ती जैसी आकृति के कारण	57	3.4
4	उपरोक्त में से कोई नहीं	200	12.0
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 4 से पता चलता है कि –

कोरोना वायरस के नाम के बारे में पूछने पर 1167 उत्तरदाताओं, जोकि कुल का 69.7 प्रतिशत है, ने सही जवाब दिया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि 69.7 प्रतिशत उत्तरदाता सही जानकारी रखते हैं जबकि 30.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं को वैश्विक महामारी फैलाने वाले कोरोना वायरस के विषय मे जानकारी का अभाव है।

तालिका संख्या–5

निम्नलिखित में से कोविड–19 के सन्दर्भ में क्या सत्य है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	यह एक मानसिक बीमारी है	28	1.7
2	यह एक संक्रामक रोग है।	1300	77.8
3	यह एक सामान्य वायरस है।	221	13.2
4	यह सामान्य बैक्टीरिया का परिवार है।	123	7.4
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 5 के अनुसार –

1672 उत्तरदाताओं मे से केवल 1300 उत्तरदाताओं ने सही उत्तर दिया जो कि कुल का 77.8 प्रतिशत है। कुल 372 उत्तरदाताओं ने गलत जवाब दिया जिससे यह कहा जा सकता है कि 22.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कोविड –19 के बारे में जागरूकता का स्तर निम्न है।

अर्थात कोविड–19 के विषय में जानकारी का अभाव है। जबकि 77.8 प्रतिशत लोगों की जानकारी का स्तर उच्च है। वे कोविड–19 बीमारी के प्रति जागरूक हैं।

तालिका संख्या–6

कौन से वायरस के कारण कोविड.–19 बीमारी होती है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	सार्स	156	9.4
2	मार्स	77	4.6
3	वीनस	48	2.8
4	सार्स–कोव–2	1391	83.2
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 6 के अनुसार –

प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त प्राथमिक आंकडों के सारणीकरण से पता चलता है कि 1672 में से केवल 1391 लोग ही सही जवाब दे पाये जोकि कुल का 83.2 प्रतिशत है। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि इन उत्तरदाताओं का जानकारी स्तर उच्च है तथा 2813 उत्तरदाताओं की संख्या अर्थात कुल का 16.8 प्रतिशत उत्तरदाता कोविड–19 की बीमारी के वायरस के नाम के बारे में जानकारी नहीं रखते कहा जा सकता है कि वैश्विक महामारी के बारे में जानकारी का स्तर निम्न है।

तालिका संख्या–7

कोविड.–19 बीमारी का संक्रमण कैसे फैलता है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	पानी से	18	1.1
2	खून से	62	3.7
3	खाने से	33	1.9
4	संक्रमित व्यक्ति की थूक की बूँदों से	1558	93.3
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 7 दर्षाता है कि – कोविड–19 संक्रमण फैलने के तरीके के विषय में पूछने पर 1672 लोगों में से 1558 लोगों ने सही जवाब दिया है जिससे हम कह सकते हैं कि 93.3 प्रतिशत लोगों का जागरूकता का स्तर उच्च है लेकिन 113 लोगों ने अर्थात 6.7 प्रतिशत लोगों ने गलत जवाब दिया जिसके आधार पर हम कह सकते है कि 6.7 प्रतिशत लोगों में जानकारी का अभाव है।

तालिका संख्या–8

कोविड.–19 के क्या लक्षण हैं ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	बुखर	49	2.9
2	खराब गला	05	0.4
3	सांस लेने में परेशानी	32	1.9
4	उपरोक्त सभी	1586	94.8
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 8 के अनुसार –

वर्तमान समय में विश्व में फैली महामारी कोविड–19 के लक्षण के बारे में पूछे जाने पर 1672 उत्तरदाताओं में से 1586 उत्तरदाताओं ने सही उत्तर दिया जोकि कुल का 94.8 प्रतिशत है। इस आध ाार पर हम कह सकते हैं कि 94.8 प्रतिशत लोगों में कोविड–19 के प्रति जागरूकता है जबकि 86 लोगों अर्थात 5.2 प्रतिशत लोगों को कोविड–19 के लक्षणें के बारे में बिल्कुल भी जागरूक नहीं है।

तालिका संख्या–9

कोविड.–19 का संक्रमण शरीर के किस भाग/अंग को प्रभावित करता है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	फेफड़े	1548	92.5
2	आमाश्य	41	2.4
3	हृदय	64	3.9
4	मस्तिष्क	19	1.1
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 9 से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि कोविड–19 का संक्रमण शरीर के किस भाग को प्रभावित करता है। यह प्रश्न पूछने पर 1672 में से 1548 उत्तरदाताओं ने, जोकि कुल का 92.5 प्रतिशत है, सही उत्तर दिया जिसके आधार पर कहा जा सकता है कि 92.5 प्रतिशत उत्तरदाता कोविड–19 के विषय में जागरूकता का स्तर उच्च है जबकि 124 लोग जो कि कुल का 7.5 प्रतिशत है, लोगों में जागरूकता का स्तर निम्न है।

तालिका संख्या–10

निम्नलिखित में से कौन से उपाय कोविड़–19 के संक्रमण को रोक सकते हैं?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	मुंह व नाक को मास्क से ढ़कना	18	1.1
2	हाथों को समय–समय पर साबुन व पानी से धोना	05	0.3
3	6 फुट की दूरी बनाकर रखना	102	6.0
4	उपरोक्त सभी	1547	92.6
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 10 का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि कोविड–19 संक्रमण के रोकने के उपायों के बारे में 1672 में से 1547 उत्तरदाताओं ने सही जवाब दिया है अर्थात 92.6 प्रतिशत लोगों का जागरूकता स्तर ऊँचा है जबकि 125 उत्तरदाताओं ने जोकि कुल का 7.4 प्रतिशत है, ने गलत उत्तर दिया जिसके आधार पर हम कह सकते हैं कि 7.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का जागरूकता स्तर निम्न है या बिल्कुल जानकारी नहीं है।

तालिका संख्या–11

कौनसा आयु वर्ग कोविड–19 से प्रभावित है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	60 वर्ष से ऊपर के आयु वर्ग के लोग	142	8.6
2	15–30 वर्ष के आयु वर्ग के लोग	10	0.7
3	05 वर्ष से कम के बच्चे	07	0.4
4	सभी आयु वर्ग के लोग	1513	90.3
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 11 के अनुसार सारणीकृत प्राथमिक आंकड़ों के अनुसार कौन सा आयु वर्ग कोविड–19 से प्रभावित है पूछने पर 1672 उत्तरदाताओं में से 1513 उत्तरदाताओं ने सही उत्तर दिया जिसके आधार पर हम कह सकते हैं कि 90.3 प्रतिशत लोगों का जागरूकता का स्तर उच्च है जबकि 159 उत्तरदाता अर्थात कुल का 9.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का जानकारी का स्तर निम्न है।

तालिका संख्या–12

हाथों को धोना या सेनेटाइज करने के बारे में निम्नलिखित में से कौन सी बात सही है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	हाथों को धोना जरूरी नहीं है।	13	0.7
2	30 प्रतिशत एल्कोहल वाले सेनेटाइजर का प्रयोग करें।	252	15.1
3	साबुन और पानी से 40 सेकेण्ड तक अच्छे से हाथ धोयें	1299	77.7
4	हाथों को रूमाल से साफ करें।	108	6.5
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 12 के अनुसार कोविड–19 से बचने के लिये हाथों को धोना या सेनेटाइज करने के बारे में 1672 में से 1299 उत्तरदाताओं ने सही जवाब दिया अर्थात 77.7 उत्तरदाताओं का जागरूकता स्तर उच्च है जबकि 373 अर्थात 22.3 प्रतिशत उत्तरदाता हाथों को धोना या सेनेटाइज करने के बारे में जागरूक नहीं है।

तालिका संख्या–13

कोविड–19 का संक्रमण रोकने के लिए हमारी निम्नलिखित में से क्या जिम्मेदारी है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर न जायें।	133	8.0
2	बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं व बच्चे यथा सम्भव घर पर ही रहें।	117	7.0
3	मास्क पहनकर ही घर से बाहर जायें।	262	15.7
4	उपरोक्त सभी	1160	69.4
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 13 के अनुसार कोविड–19 का संक्रमण रोकने के लिये अपनी जिम्मेदारी को पहचानने वाले 1672 में से केवल 1160 उत्तरदाता ही है जोकि कुल का 69.4 प्रतिशत है अर्थात कहा जा सकता है कि 69.4 प्रतिशत लोग अपनी जिम्मेदारी पहचानते है जबकि 512 उत्तरदाता अर्थात 30.6 प्रतिशत उत्तरदाता कोविड–19 को रोकने में अपनी जिम्मेदारी ही नहीं जानते हैं।

तालिका संख्या–14

अगर आप मे कोविड–19 के लक्षण हैं तो आप क्या करेगें ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	अपने डॉक्टर से मिलेंगें।	22	1.3
2	अपने आपको सबसे अलग कर लेगें।	75	4.5
3	राज्य या भारत सरकार द्वारा दी गयी हेल्पलाइन पर सम्पर्क करेंगें।	187	11.2
4	उपरोक्त सभी	1388	83.0
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 14 के आंकड़ो के विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि 1672 में से 1388 उत्तरदाताओं ने कोविड–19 के लक्षण हा`ने पर उपाय करने के लिये सही उत्तर दिया अर्थात 83. 0 प्रतिशत उत्तरदाता कोविड–19 के लक्षण खुद में दिखने पर सही उपायों के बारे में जानकारी रखते हैं जबकि 284 अर्थात 17.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस विषय में पूरी जानकारी नहीं रखते हैं। अर्थात उनकी जानकारी का स्तर निम्न है।

तालिका संख्या–15

कोविड–19 को किसने एक महामारी घोषित किया ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	संयुक्त राष्ट्र संघ	14	0.8
2	विश्व स्वास्थ्य संगठन	1624	97
3	भारतीय जनता दल	24	1.5
4	कांग्रेस	10	0.7
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 15 का विश्लेषण करने पर जानकारी मिलती है कि कोविड–19 को किसने महामारी घोषित किया इसकी जानकारी 1672 में से 1624 उत्तरदाताओं को सही है। अर्थात 97 प्रतिशत लोग सही जानकारी रखते हैं जबकि 3.0 प्रतिशत या 48 उत्तरदाताओ ं की जानकारी गलत है।

तालिका संख्या–16

कोविड–19 से संक्रमित व्यक्तियों का पता लगाने व कोविड–19 से बचाव हेतु भारत सरकार द्वारा कौनसी मोबाइल एप डाउन लोड़ करने की सलाह नागरिकों को दी गयी ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	आयुष सेतू	144	8.6
2	आरोग्य सेतू	1427	85.4
3	रक्षा कवच	87	5.2
4	पीयुष कवच	14	0.8
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 16 दर्शाता है कि कोविड–19 से बचाव हेतु भारत सरकार ने कौन सी मोबाइल एप डाउन लोड़ करने की सलाह अपने नागरिकों को दी है। प्रश्न पूछने पर 1672 में से 1427 उत्तरदाताओं ने सही उत्तर दिया है अर्थात 85.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं की जानकारी सही है जबकि 245 अर्थात 14.6 उत्तरदाताओं की जानकारी गलत है।

तालिका संख्या–17

उत्तर प्रदेष सरकार द्वारा कोविड–19 से बचने के लिये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये कौन सी एप डाउन लोड़ करने की सलाह दी है ?

क्र. सं.	विकल्प	संख्या	प्रतिशत
1	पीयुष कवच	137	8.2
2	आयुष कवच	112	6.7
3	आरोग्य कवच	1249	74.7
4	रक्षा कवच	174	10.4
	योग	**1672**	**100**

तालिका संख्या 17 के अनुसार कोविड–19 से बचने के लिये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कौन सी एप डाउन लोड़ करने की सलाह दी गयी ? सवाल पूछने पर 1672 में से 1249 उत्तरदाताओं ने सही जवाब दिया अर्थात हम कह सकते हैं कि 74.7 प्रतिशत लोगों की जानकारी बिल्कुल सही है जबकि 423 अर्थात 25.3 प्रतिशत लोगों को इसकी जानकारी गलत है या कह सकते हैं नहीं हैं।

निष्कर्ष

शोध से प्राप्त आंकड़ों का सारणीकरण करके विश्लेषण करने पर एवं सही उत्तर जो उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये उन सभी 15 प्रश्नों के सही उत्तर दिये जाने वाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत का औसत निकालने पर यह तथ्य सामने आता है कि 84.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को कोविड–19 वैश्विक महामारी के बारे में जानकारी इससे बचाव के उपायों एवं बीमारी की गिरफ्त में आने के बाद स्वस्थ होने के लिये और दूसरों को संक्रमण से बचाने के लिये किये जाने वाले उपायों व सावधानियों के विषय मे जागरूकता पायी गयी। अर्थात 84.5 प्रतिशत लोग कोविड–19 से बचाव के लिये प्रयोग में आने वाली सावधानियों की जानकारी रखते हैं तथा खुद व दूसरों को इस बीमारी से, जिसका अभी तक ''बचाव ही उपचार है'', बचाने की जानकारी रखते हैं।

लेकिन 15.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को कोविड–19 वैश्विक महामारी से बचाव के उपायों की जानकारी नहीं है। यह शोध स्नातक, स्नात्तकोत्तर एवं पी0एच0डी जैसे उच्च शिक्षित उत्तरदाताओं में जिनमें से 15.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को काविड–19 सम्बन्धी जानकारी का अभाव है तो देश के कम शिक्षित या अशिक्षित लोगों में निश्चित रूप से जानकारी या जागरूकता का स्तर कम ही होगा। ये एक संक्रामक बीमारी होने के कारण कुछ लोगों में अज्ञानता या जागरूकता की कमी के कारण यह रोग एक व्यक्ति से दूसरे में संक्रमित हो रहा है।

WHO की वेबसाइट पर दी गयी जानकारी के अनुसार 200 से ज्यादा वैक्सीन विश्व भर में विकसित करने की प्रक्रिया चल रही है। Unicef के अनुसार 2021 के शुरूआती महीनों में कोविड़ की वैक्सीन आ जायेगी जिसको covax facility, जो कि कोविड –19 के विरूद्ध वैक्सीन की वैश्विक पहूँच के लिए काम करेगी ताकि सभी को कोविड–19 के विरूद्ध वैक्सीन प्राप्त हो सके।

आज दिनांक 06.12.2020 को ब्रिटेन में फाइजर की वैक्सीन को लगाने की मंजूरी दी गयी। आज ही रूस में बनी स्पुतनिक कोविड–19 वैक्सीन भी मोस्कों में लगाने शुरू कर दिया गया है।

तिशत
8.2
6.7
74.7
10.4
100

भारत भी भारत वायोटैक व भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद व नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ वायरोलोजी के सहयोग से Covaxin को विकसित किया जा रहा है। जो अब तीसरे चरण के परीक्षणों के दौर से गुजर रहा है। जिसके 2021 के शुरूआती महीने में ही आने की सम्भावना है ताकि लोगा ें को वैकसीन लगायी जा सके।

कोविड–19 से बचाव के व्यवहारिक सुझाव

- कोविड–19 से बचाव ही उपाय है।
- हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते या आदाब करें।
- नाक, मुंह या आंखें अनावश्यक न छुएं।
- बार–बार हाथ साबुन से धोयें।
- खांसते या छिकते समय रूमाल, टिशु या कोनी से नाक मुंह ढंकें।
- गाड़ी में सैनेटाइजर, साबुन एवं साफ पानी की व्यवस्था करके चलें।
- गाड़ी अन्दर व बाहर से 0.5 प्रतिशत सोडिया हाइपोक्लोरइड घोल से साफ करें।
- भीड़भाड़ से बचें।
- रास्ते में लोगों के सम्पर्क, लिफ्ट देने में सावधानी बरतें।
- आपके व अन्य लोगों के बीच कम से कम 2 मीटर के फासलें की सुरक्षित दूरी बनायें।
- आपसी सम्पर्क से बचें, मेज, कुर्सी, दरवाजे की हैंडल आदि सतहों को छूने से बचें।
- लेन–देन में मशीन व कार्ड को छूने के बाद हाथों को सेनिटाइज करें।
- हर घंटे ज्यादा छुयी जाने वाली सतहों को साफ व विसंक्रमित करें।
- कोविड से बचने के लिए मास्क अवश्य पहनें।
- विदेश या देश के अन्दर लम्बी यात्रा करके जाने वालो लोगों से बातचीत करके उन्हें बतायें कि वे 14 दिन घर में ही रहे कहीं बाहर न जायें।
- खांसी, बुखार या सांस लेने में तकलीफ हो तो स्वास्थ्य केन्द्र जायें और जब तक लक्षण समाप्त न हो जाये तब तक घर से बाहर न निकलें।
- भोजन के संदर्भ में बड़ी संख्या में लोगों को सहायता की आवश्यकता है तो कृपया स्वच्छता और सामाजिक दूरी की सावधानियों को ध्यान में रखते हुए उनकी जैसे हो सके सहायता करें।

आसपास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। मास्क व अन्य कचरे का सुरक्षित निपटान करें।[11]

संदर्भ

1. hig.m.wikipedia.org
2. inshorts.com
3. https://nypast.com/2020/02/29
4. www.who.int
5. https://www.who.int/emergencies/novel-coronavirus-2019/advice-for public.
6. www.who.int
7. https://m.economictimes.com/hindi/news/74453150.cms
8. https:/www.bbc.com/hindi/science-52573373
9. https://www.mohtw.gov.in
10. https://covid-19who.int/8december2020

11. www.unicef.org
12. httpps://www.ayush.gov.in
13. www.unicef.org
14. htpp//www.patrika.com.5976966
15. https://news.un.org/hi/story/2020/03/1023672
16. www.bhaskar.com
17. https://www.bbc.com/hindi/india-52190038
18. hindi.news18.com.3111109
19. www.aajtak.in/1042966-2020-03-24
20. Mark Olshaker and Michael Osterholm: Deadliest Enemy: Our war against killer Germs, e bookISBN9781529342239www.John Murray press.co.uk 23 march 2020 (originally published 14 march 2017)
21. Dr. Swapneil Parikh, Meherra Desai, Dr. Rajesh Parikh : the Corona Virus : What you need to know about the global Pandemic, Ebury press March 2020